International Journal for Multidisciplinary Research (IJFMR)
E-ISSN: 2582-2160 ● Website: www.ijfmr.com ● Email: editor@ijfmr.com

नकदी रहित अर्थव्यवस्था : वैश्विक परिप्रेक्ष्य

डॉ. प्रकाश सीरवी

सह आचार्य अर्थशास्त्र एस.पी.सी. राजकीय महाविद्यालय अजमेर (राजस्थान)

सारांश

21वीं सदी संचार प्रौद्योगिकी के नवाचारों से संबंधित है। विश्व के सभी देश नई–नई तकनीक का प्रयोग करके अपने देश के विकास के स्तर को बढ़ाना चाहते हैं। वर्तमान में वैश्विक स्तर पर नकदी रहित लेनदेन की ओर रूझान बढ़ता ही जा रहा है। अतः सभी देश अपने विकास के स्तर को बढ़ाने के लिए नकदी रहित लेनदेन पर बल दे रहे हैं। वर्तमान काल में संचार प्रौद्योगिकी के विस्तार के कारण मुद्रा का लेनदेन डिजिटल माध्यमों के द्वारा किया जाने लगा है। नकदी रहित लेनदेन की शुरूआत 1950 के दशक में हो गयी थी, परन्तु इसका संचालन बड़े व्यापारियों व कम्पनियों तक ही सीमित था। फेडरल रिजर्व का अनुमान है कि 2016 में कैशलेस लेनदेन यू.एस. डालर 617 बिलियन था जबकि 2010 में यू.एस. डालर 60 बिलियन था। जर्मनी में 33 प्रतिशत उपभोक्ता लेनदेन कैशलेस हैं। स्वीडन तेजी से लगभग पूरी तरह कैशलेस समाज बनता जा रहा है। 2015 में स्वीडन में किए गए सभी भुगतानों के मूल्य का बमुश्किल 2 प्रतिशत ही नकद लेनदेन हुआ था, जो 2020 तक 0.5 प्रतिशत तक गिर गया है। स्पेन में नकद लेनदेन की सीमा 2012 से 2500 यूरो वहीं के निवासियों के लिए व 1500 यूरो अनिवासियों के लिए है। यदि धन राशि इससे अधिक है तो भुगतान बैंक के माध्यम से किया जाता है। वहीं बुल्गारिया में नकद लेनदेन की सीमा 10000 लेव है। यूनान में 1500 यूरो तक ही नकद भुगतान की अनुमति है। विश्व के अनेक देशों में इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से लेनदेन करने पर उपभोक्ताओं व व्यापारियों को सरकार द्वारा कर में छूट प्रदान की जा रही है।

इस प्रकार भारत नकदी रहित अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर होने वाला पहला राष्ट्र नहीं है बल्कि वैश्विक रूझान के कारण सभी देश कागजी मुद्रा के उपयोग को कम करने व डिजिटल माध्यमों के द्वारा नकदी लेनदेन को बढ़ावा दे रहे हैं।

संकेत शब्द :– क्रेडिट डेबिट कार्ड, डिजिटल भुगतान, इलेक्ट्रॉनिक माध्यम, नकदी रहित अर्थव्यवस्था, मल्टी मिडिया

प्रस्तावना :–

वर्तमान समय नवाचारों का है, विश्व के सभी देश नई–नई तकनीकी का प्रयोग कर रहे हैं। इसी संदर्भ में वैश्विक स्तर पर डिजिटल माध्यमों का प्रयोग मुद्रा के लेनदेन में किया जा रहा है, जो विश्व को नकदी रहित अर्थव्यवस्था के विकास के स्तर को बढ़ा रहे हैं। इसका विकास अचानक से नहीं बल्कि धीरे–धीरे हुआ है। प्रारम्भिक काल में समस्त विश्व में वस्तुओं व सेवाओं का विनिमय वस्तु प्रणाली के माध्यम से किया जाता था। फिर धीरे–धीरे वस्तु विनिमय प्रणाली का स्थान स्वर्ण, रजत व कांस्य मुद्राओं ने ले लिया। फिर बैंकिंग सेवाओं के विस्तार के कारण मुद्रा का लेनदेन डिजिटल माध्यमों के द्वारा किया जाने लगा है। द मेक्रोइकोनोमिक्स ऑफ दी कोशिंग सम्बन्धी आई.एम.एफ. वर्किंग पेपर ने हाल में ही यह प्रकाशित किया है कि विश्व के अनेक देश नकद लेनदेन को सीमित करने के लिए प्रारम्भिक कदम उठा चुके हैं, इसके अन्तर्गत नकद लेनदेन की उच्चतम सीमा निर्धारित करना, नकदी रहित लेनदेन पर छूट देना शामिल है।

नकदी रहित अर्थव्यवस्था के वैश्विक रूझान के कारण सभी देश नकदी रहित लेनदेन को बढ़ावा दे रहे हैं। वर्तमान में अधिकतर लोगों के मल्टीमिडिया व इन्टरनेट से जुड़े हुए हैं। इस प्रकार ऐसा वातावरण है, कि नकदी रहित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दिया जाए, नकदी रहित अर्थव्यवस्था वर्तमान व भविष्य की माँग भी है।

साहित्य समीक्षा :–

कौशल्या और शंकर (2018) ने अपने लेख कैशलेस इकोनोमी ट्रांजेक्शन में भारत में नकदी रहित अर्थव्यवस्था के प्रभावों व महत्व को समझने की ओर ध्यान केन्द्रित किया है। और यह भी बताया कि यदि भारत में कैशलेस अर्थव्यवस्था की शुरूआत होगी तो वित्तीय क्षेत्र पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

मार्क जेडी (2013) ने अपने लेख में 56 देखों का अध्ययन किया इसके अनुसार क्रेडिट डेबिट कार्ड के प्रयोग दीर्घकाल में आर्थिक वृद्धि को प्रोत्साहित करते हैं। इलेक्ट्रोनिक कार्ड पेमेंट इसलिए आवश्यक हैं क्योंकि इससे पारदर्शिता है, जवाबदेही है। यह आर्थिक वृद्धि व विकास के लिए आवश्यक है।

किराबो अब्दुल कादिर व लिसाह जाने (2022) ने अपने लेख एडोपसन ऑफ कैशलेस इकोनोमी इन द वर्ल्ड : ए रिव्यू में बताया कि कैशलेस भुगतान एक व्यक्ति या कम्पनी के द्वारा विश्व के किसी भी अन्य व्यक्ति व कम्पनी को किया जा सकता है। इसकी लागत अन्य भुगतानों की तुलना में कम होती है। इन्होंने कैशलेस भुगतान की चुनौतियाँ व लाभों का उल्लेख भी किया है।

शोधपत्र के उद्देश्य :–

- नकदी रहित अर्थव्यवस्था में विश्व के विभिन्न देशों का तुलनात्मक अध्ययन।
- नकदी रहित अर्थव्यवस्था के विश्लेषण का अध्ययन।
- नकदी रहित अर्थव्यवस्था किस प्रकार जी.डी.पी. को प्रभावित करेगी का अध्ययन।
- नकदी रहित अर्थव्यवस्था के प्रभावों का अध्ययन।

शोध की विधि :–

यह शोध पत्र पूर्ण रूप से द्वितीय समंकों पर आधारित है। इसमें हम 2016 से 2020 तक के आंकड़ों को सम्मलित करेंगे। इस अध्ययन हेतु चार्ट सारणी व रेखाचित्रों का उपयोग किया जायेगा। इसमें जीडीपी को आश्रित चर के रूप में व एटीएम, पीओएस, मोबाइल बैंकिंग व इन्टरनेट बैंकिंग को स्वतंत्र चर के रूप में लेंगे।

BIS Statistics Explorer

Table CT 2 CT2 : Banknotes and coins in circulation [1]
Value as a percentage of GDP (%)
Dataset CPMI comparable data tables type 1 (CPMI_CT1)
Data updated 31/03/2022 07:47
Data URL http://stars.bis.org:8089/statx/srs/table/CT2?m=3&f=xlsx
2020 Year

	2016	2017	2018	2019	2020
Argentina	6.6	6.7	5.1	4.5	5.8
Australia	4.7	4.5	4.5	4.4	5.2
Brazil	3.7	3.8	3.8	3.8	5
Canada	4.3	4.3	4.3	4.3	5.1
China	10	9.5	8.9	8.3	8.8
Hong Kong SAR	16.6	17.3	17.5	18.6	21.3
India	8.7	10.7	11.3	12	14.4
Indonesia	4.9	5.1	5	5	5.8
Japan	19.7	20.2	20.7	21	22.9
Korea	5.6	5.9	6.1	6.5	7.6
Mexico	6.6	6.7	6.9	7	8.5
Russia	10.3	10.4	9.9	9.7	12.5
Saudi Arabia	8.3	7.9	7.2	7.3	8.9
Singapore	9.7	9.7	9.7	10.2	12.2
South Africa	3.1	3.1	3.1	3	3.2
Sweden	1.4	1.3	1.3	1.3	1.3
Switzerland	11.8	12.2	11.9	12.1	13.1
Turkey	4.8	4.3	3.6	3.6	3.8
United Kingdom	3.4	3.5	3.4	3.3	3.5
United States	8	8.1	8.3	8.3	9.7
Memo: Euro Area	10.7	10.7	10.9	11.1	12.9

[1] Please refer to the individual country tables for a detailed explanation.

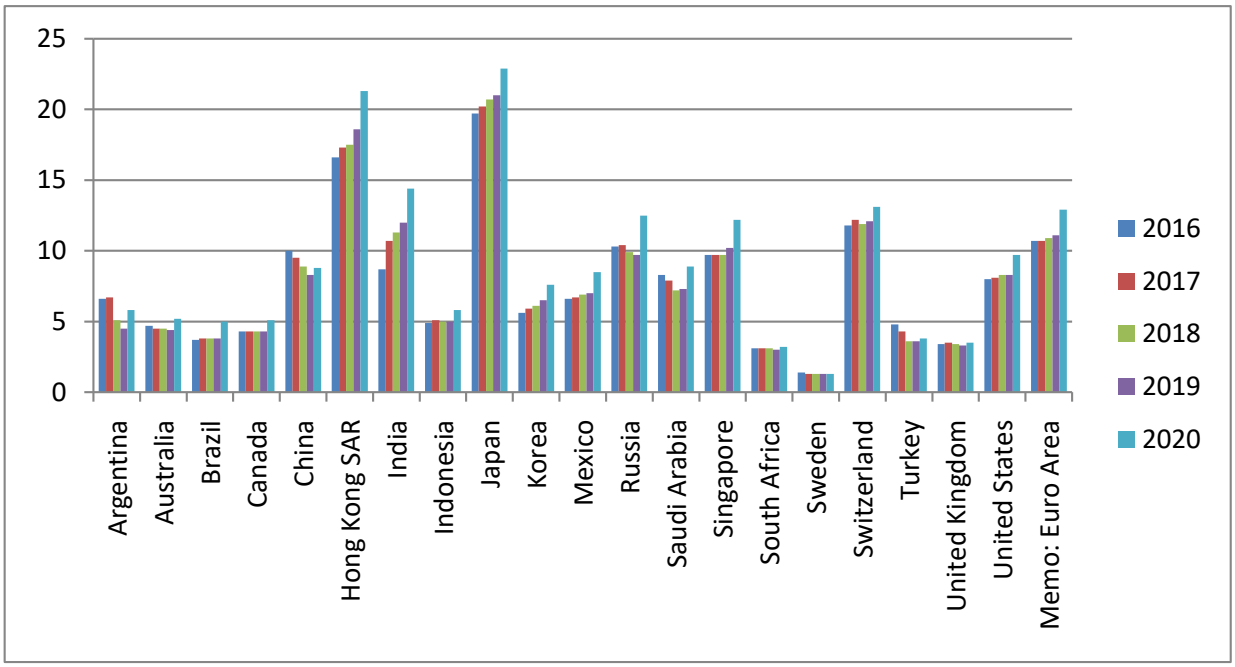

टेबल व ग्राफ से यह अनुमान लगाया जाता है कि वर्ष 2016 से 2020 के बीच सीआईसी जी.डी.पी. के प्रतिशत में अधिकतर देशों में घटने व बढ़ने की प्रवृत्ति देखी गयी, परन्तु कोविड–19 के कारण वर्ष 2020 में सीआईसी के जी.डी.पी. का प्रतिशत स्तर वर्ष 2019 के पिछले स्तर से सभी देशों में बढ़ा है जो यह दर्शाता है कि कोविड–19 के कारण सभी देशों में बैंक नोट व सिक्कों का मूल्य तेजी से बढ़ा है। रोजमर्रा के लेनदेन में नकदी का बहुत कम उपयोग होने के बावजूद भी बैक नोट व सिक्कों की बढ़ती मांग यह दर्शाती है कि लोगों ने ऐहतियात व धन संग्रह के उद्देश्य से नकदी की मांग में वृद्धि हुई है, लोगों का सामान्य स्वभाव है कि वह आर्थिक अनिश्चितता और तनाव की अवधि में लोगों द्वारा धन का संग्रह किया जाता है। इस प्रकार कोविड–19 महामारी द्वारा विश्वभर में आर्थिक अनिश्चितता ने बैंक नोट व सिक्कों के मूल्य को बढ़ाया है जो यह दर्शाता है कि नकद का मूल्य अभी कम नहीं हुआ है।

BIS Statistics Explorer

Table CT 5	CT5 : Use of payment services/Instruments : volume of cashless payments [1] Value as a percentage of GDP (%)
Dataset	CPMI comparable data tables type 1 (CPMI_CT1)
Data updated	31/03/2022 07:47
Data URL	http://stars.bis.org:8089/statx/srs/table/CT2?m=3&f=xlsx

2020 Year

	2016	2017	2018	2019	2020
Argentina	1798	1977	2254	2735	3184
Australia	11003	12257	13058	14254	14867
Belgium	3460	3772	4238	4601	4819
Brazil	28982	31066	34618	41359	45000
Canada	12610	13542	14452	14843	15171
China	96639	133920	198362	312549	340973
France	20908	21964	23498	24915	24224
Germany	19931	21009	22287	23885	26053
India	10926	15687	24351	32658	40628

Indonesia	7416	8985	11044	11955	12685
Italy	5698	6035	6784	7529	7736
Japan	6975	7283	7863	9166	10972
Korea	23215	25716	28351	31393	32142
Mexico	4030	4546	5068	5910	6424
Netherlands	7176	7802	8709	9423	9192
Russia	19174	25797	34832	45963	55684
Saudi Arabia	820	1045	1417	2057	3337
Singapore	4256	4391	4687	4836	3761
South Africa	4386	4484	4940	5468	5393
Spain	7069	8176	8607	9710	9896
Sweden	4777	4995	5376	5595	5528
Switzerland	2146	2327	2547	2777	2921
Turkey	4620	5325	6274	7258	7821
United Kingdom	25152	27139	29778	32349	30910
United States	141081	151771	262089	172178	183796

[1] Please refer to the individual country tables for a detailed explanation.

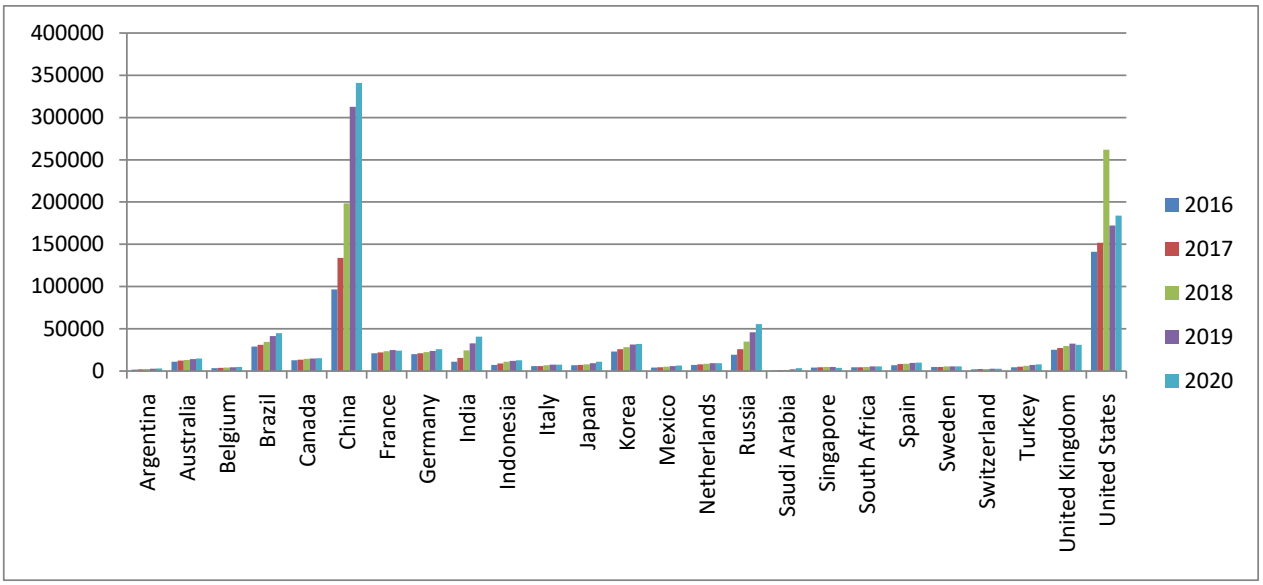

प्रस्तुत टेबल व ग्राफ से यह पता चलता है कि सभी देशों द्वारा अपने–अपने स्तर पर नकदी रहित लेनदेन को बढ़ावा देने के विभिन्न प्रयास किये जा रहे हैं, अतः वर्ष 2016 से 2020 तक नकदी रहित लेनदेन की मात्रा में अधिकतर देशों में लगातार वृद्धि देखी गयी है इनमें से कुछ ही देश हैं जिनमें 2019 के बाद नकदी रहित लेनदेन में गिरावट आयी है वह है नीदरलैण्ड, फ्रांस, स्वीडन, यूनाइटेड किंगडम व साउथ अफ्रीका। भारत में विमुद्रीकरण के बाद लगातार नकदी रहित लेनदेन की मात्रा में वृद्धि देखी गयी है यह 2016 में 10926 मिलियन थी, वह 2020 में बढ़कर 40628 मिलीयन हो गयी अतः 2016 से 2020 के बीच नकदी रति लेनदेन की मात्रा में वृद्धि हुई है।

निष्कर्ष :–

नकदी रहित अर्थव्यवस्था वर्तमान में वैश्विक परिप्रेक्ष्य में एक प्रतिक्रियाशील प्राथमिकता बन गयी है। इसमें सभी प्रलेखनाओं की जगह, नकदी का प्रयोग गहराई से कम हो रहा है और नकद लेनदेन के स्थान पर डिजिटल लेनदेन की बढ़ती तरक्की दिख रही है। इससे वित्तीय सेवाओं में सुधार हो रहा है लेकिन यह भी नयी चुनौतियों को उत्पन्न कर रहा है। जैसे– साइबर सुरक्षा और डेटा गोपनीयता। परन्तु वर्तमान युग नवाचारों का युग है और विश्व के सभी देश नई–नई तकनीक का प्रयोग करके अपने–अपने देश के आर्थिक विकास को बढ़ाना चाहते हैं। इसीलिए वैश्विक स्तर पर नकदी रहित अर्थव्यवस्था का रूझान बढ़ता ही जा रहा है।

सन्दर्भ सूची :–

1. Kirobo Abdul Kadir, Lissahjane (April 2022), Adoption of Cashless Economy in the world : A Review, IOSR Journal of Economics and Finance 13 (2) : 37-48 DOI : 10.9790/5933-13020834748
2. Zandi M.V. Sing and Lrving (2013) Impact of Inequality on Economic Growth on Economic
3. Growth,https://usa.visa.com/dam/vocom/download/corporate/media/moodys economy-white-paper-Feb 2013.pdf
4. http://m.rbi.org.in/scripts/faqview.aspx ?Id 126.